शनिवार
33 साल से देहरादून का विश्वास
25 अक्टूबर 2025
● देहरादून
● वर्ष 33
● अंक 260
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94   email: doonvalley_news@yahoo.com   Website: dunvalleymail.com   डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

विज्ञापनों की भरमार से दून का हाल-बेहाल

●इंडिकेटर बोर्डो तक पर विज्ञापनों का कब्जा ●कानून उल्लंघन में नेताओं ने तोड़े रेकॉर्ड

विशेष संवाददाता

देहरादून। स्वच्छ दून-सुंदर दून उत्तराखंड की राजधानी देहरादून के लोगों को सुकून और शांति का एहसास कराने वाला यह स्लोगन अब बीते दिनों का किस्सा हो चुका है। आज के वर्तमान का देहरादून अब न तो स्वच्छ रहा है और न ही सुंदर। साफ-सफाई व सड़कों के हालात, धूल और धुएं से दून के हालात क्या है यह किसी से भी छिपा नहीं है। इसके ऊपर से बैनर-पोस्टरों और होर्डिंग की भरमार ने शहर की सूरत को इस कदर बिगाड़ दिया है कि इसे देखकर किसी भी कस्बाई शहर की याद ताजा हो जाती है।

राजधानी की कोई भी सड़क, बिजली के खंभे, दीवारें छतें और तो और नगर निगम द्वारा शहर में लगाए गए इंडिकेटिंग बोर्डो जो बाहर से आने वालो को रास्ता सुझाने का काम करते हैं उन पर भी दीवाली की शुभकामनाओं और दीवाली धमाका के ऑफरों के प्रचार पोस्टरो ने कब्जा जमा लिया है। हर कदम में लगे यह प्रचार-पोस्टरों और बैनर सरकार की विज्ञापन नीतियों का उपहास उड़ाते दिख रहे हैं। शहर की कोई भी सड़क, चौराहा और गली मोहल्ला इससे अछूता नहीं है। तथा यह विज्ञापन देखकर ऐसा एहसास होता है कि जैसे किसी कपड़े पर जगह-जगह पाबंद लगे हो।

खास बात यह है कि इन विज्ञापनों व पोस्टरों में बड़ी कंपनियों को भी सेल धमाका और मिठाई पटाखे वालों ने पीछे छोड़ दिया है। खास बात यह है कि इस मामले में हमारे माननीय मंत्री, विधायक और सांसदों ने तो जो रिकॉर्ड तोड़े हैं वह तोड़े ही है, छूट भैय्या नेताओं ने भी अपनी पार्टी के दिग्गज नेताओं की चापलूसी करते हुए अपने बैनर पोस्टरों पर उनके नाम का लाभ उठाने वाले बैनर पोस्टर लगाने में कोई कोर कसर उठाकर नहीं छोड़ी। नगर निगम जिसके पास इन बैनर पोस्टरों को हटाने और लगाने की जिम्मेदारी है। वह इन पोस्टरों और विज्ञापनों को कब तक नजर अंदाज करेगा। मुश्किल यह है कि जिनके द्वारा पूरे शहर को इस बदहाल स्थिति में पहुंचाया गया वह भी तो सब अपने ही हैं। फिर किसके पोस्टर कैसे हटाये जाए। इसमें थोड़ी दिक्कत तो है ही। देखते हैं कि नगर निगम प्रशासन का उनकी तरफ कब ध्यान जाता है और कब इसे हटाया जाता है।

फिलहाल तो इन्हें देखकर ऐसा लगता है कि हम किसी नुमाइश में घूम रहे हैं। सड़कों को पाट चुके यह विज्ञापन लोगों को हादसे का शिकार भी बना रहे हैं जिनसे सड़कों पर चलते समय वाहनं चालकों का ध्यान इधर-उधर भटक जाता है और वह दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

बदलाव की बयार

कल उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में एक ऐसी घटना सामने आई जो कहने के लिए एक मामूली सी घटना हो सकती है लेकिन इस घटना को अगर विस्तार के फलक पर देखने की कोशिश की जाए तो यह देश के बदलते राजनीतिक और सामाजिक परिवेश की उस तस्वीर को दिखाती है जहां जनता के शासन को क्यों जरूरी माना जाता है इस सवाल का जवाब भी मिलता है। दून की दीप नगर कॉलोनी की महिलाओं ने प्यास से तंग होकर वंदे भारत जैसी ट्रेन को रोक दिया यह महिलाएं नारा लगा रही थी कि पानी बंद तो फिर ट्रेन भी बंद। महिलाओं के द्वारा जब इस सबसे अधिक रफ्तार वाली ट्रेन पर ब्रेक लगाया गया तो रेल प्रशासन से लेकर दून के जिला प्रशासन तक में हड़कंप मच गया। मुरादाबाद रेल मंडल से लेकर दिल्ली तक के फोन की घंटियां घनघना उठी आधे घंटे में ही अधिकारी मौके पर पहुंच गए और समस्या का समाधान भी निकल आया। प्रशासन द्वारा तुरंत ट्यूबवेल की मोटर रिपेयर करने हुआ टैंकरो की अतिरिक्त आपूर्ति के आश्वासन के बाद वंदे भारत का रास्ता भी साफ हो गया। इस घटना ने मुझे बरबस ही कवि बल्ली सिंह चीमा कि उस कविता की याद दिला दी जिसमें उन्होंने लिखा है कि 'ले मसाले चल पड़े हैं लोग मेरे गांव के, अब अंधेरे जीत लेंगे लोग मेरे गांव के, कह रही है झोपड़ी और पूछते हैं खेत भी कब तक लुटते रहेंगे लोग मेरे गांव के। आज सत्ता के साथ प्रशासन भी जन सरोकारों से इतना विरत हो चुका है कि उनको सिर्फ अपने ही हितों की बात सुनाई आती है आम आदमी की हर समस्या को अनसुना किया जाना और उसे टालते रहने के बहाने ढूंढ लिए जाना जैसे कोई रिवायत हो गई हो। सत्ता में बैठे लोगों का हाल तो यह है कि वह जैसे जनता का उत्पीड़न करने, झूठे वायदे और दावे करने के लिए ही है। जिनके बारे में वह आसानी से यहां तक बोल देते हैं कि यह तो एक चुनावी शगुफा था। लोकतंत्र में सिर्फ जनता का मत ही मायने नहीं रखता है, जन भावनाओं की भी उतनी ही महत्ता है। खास बात यह है कि जन समस्याओं को लेकर सवाल करने वालो को देशद्रोही, नक्सली सोच वाले और जिहादी जैसे शब्दों से दबाने और जेल भेजने का डरावा भी दिखाये जाने की घटनाएं अब आम हो चुकी है। तथा सत्ता का विरोध राष्ट्र का विरोध बता दिया जाता है और जब सत्ता से सवाल पूछना भी जुर्म हो जाए तब कुछ शेष नहीं बचता है। लेकिन दून कि यह छोटी सी घटना यह बताने के लिए काफी है कि जनता जब बोलती है तो सब खामोश हो जाते हैं। भारत के पड़ोसी देशों में जेन जे ने जो तख्ता पलट की घटनाएं की है वह इसका उदाहरण है। बात चाहे छात्रों की हो या किसानों की या आम महिलाओं की। अब सभी सवाल लेकर सड़कों पर आने से डरते नहीं है। यह बात हमने पेपर लीक मामले में देखी थी जब आम आदमी, मीडिया, न्यायपालिका और कार्यपालिका सब जगह से निराश हो जाता है तो उसके पास सिर्फ और सिर्फ एक ही विकल्प बचता है और वह है विरोध का झंडा लेकर सड़कों पर अपनी जान की परवाह किए बिना उतरना या फिर डर कर चुपचाप घरों में बैठ जाना। कुछ दिन पहले तक जो लोग देश के लोकतंत्र को लेकर चिंता जाता रहे थे उन्हें चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। क्योंकि अब जनता जाग रही है वह अब सवाल भी करना सीख चुकी है और सवालों का जवाब लेने के तरीके भी उसे पता हो चुके हैं। अब कोई भी अपनी जवाब देही से बच नहीं सकेगा।

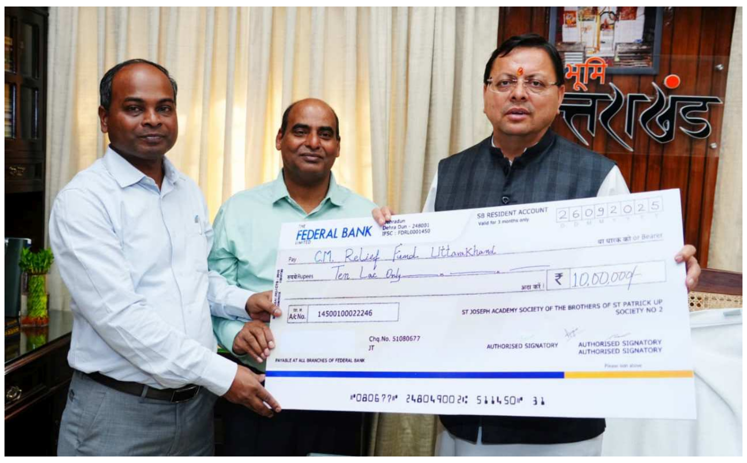

सेंट जोसेफ अकादमी के स्कूल प्रबंधन ने मुख्यमंत्री राहत कोष में दिये 10 लाख रुपए

संवाददाता

देहरादून। सेंट जोसेफ अकादमी के प्रबंधन ने मुख्यमंत्री राहत कोष में 10 लाख रूपये दिये। आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में सेंट जोसेफ अकादमी, देहरादून के स्कूल प्रबंधन ने मुलाकात कर आपदा पुनर्निर्माण के कार्यों के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में 10 लाख की धनराशि प्रदान की। मुख्यमंत्री ने सेंट जोसेफ अकादमी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योगदान आपदा प्रभावितों की सहायता एवं पुनर्निर्माण कार्यों में उपयोगी सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक आपदा प्रभावित व्यक्ति के साथ खड़ी है। इस अवसर पर ब्रदर जोसेफ एम. जोसेफ, ब्रदर एस्टिनस कुजूर, एस. के. नैथानी, सचिन अग्रवाल, भवनेश नेगी मौजूद रहे।

दिव्यांगजनों के प्रमाण पत्रों के लिए 28 से लगेगा शिविर

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बसंल के निर्देश पर समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों के दिव्यांग प्रमाण पत्रों के लिए 28 से शिविर का आयोजन किया जायेगा।

आज यहां जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देशों के अनुपालन में जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा विकास खण्ड चकराता मे ऐसे दिव्यांगजन जिनके दिव्यांग प्रमाण पत्र, आधार कार्ड अभी तक नहीं बने हैं, का सर्वे बाल विकास परियोजना अधिकारी चकराता के माध्यम से कराया गया था।

शिविर का आयोजन 28 अक्टूबर 2025 को कनासर वन विभाग मैदान में नोडल अधिकारी सहायक विकास अधिकारी पंचायत, 30 अक्टूबर को राजकीय इंटर कॉलेज लाखामंडल मैदान में नोडल अधिकारी क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी तथा 3 नवंबर 2025 को पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस त्यूनी में नोडल अधिकारी सहायक समाज कल्याण अधिकारी देहरादून रहेंगे। सर्वे के अनुसार विकास खण्ड चकराता मे 212 ऐसे दिव्यांगजन की सूची प्राप्त हुई है जिनके दिव्यांग प्रमाण पत्र अभी तक बने नहीं है। खण्ड विकास अधिकारी चकराता को दिव्यांगजनों को एक स्थान पर शिविर मे लाने एवं वापस छौडने हेतु रोड मैप तैयार करते हुए रोड मैप के आधार पर सर्वे मे प्राप्त दिव्यांगजनों को एक स्थान पर टेक्सी वाहन की व्यवस्था करते हुये चिकित्सकीय विशेषज्ञों के द्वारा मौके पर ही जॉचोंपरान्त दिव्यांग प्रमाण पत्र, विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं से लाभवान्वित करने की औपचारिकतायें पूर्ण करने तथा एलिम्को द्वारा एडिप योजनान्तर्गत दिव्यांगजनों को आवश्यक सहायक उपकरणों का चिन्हिकरण करते हुये सहायक उपकरण उपलब्ध करने के निर्देश दिए गए हैं।

त्यूणी क्षेत्रान्तर्गत 87, लाखामण्डल क्षेत्रान्तर्गत 41 एवं चकराता क्षेत्रान्तर्गत 84 कुल 212 चिन्हित दिव्यांगजनों की सूची व पूर्ण विवरण संलग्न है। उक्त कार्य हेतु विकास खण्ड स्तर पर सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारी को नोडल अधिकारी नामित करते हुए निर्देशित किया गया है कि दिव्यांगजनों को टेक्सी वाहन से एक साथ शिविर स्थल तक ससमय आवश्यक दस्तावेजों सहित चिकित्सकीय परीक्षण हेतु लायेगें तथा परीक्षण के उपरान्त सुरक्षित वापस ग्राम तक छौडने हेतु सम्बन्धित ग्राम विकास अधिकारी/ग्राम पंचायत विकास अधिकारी को वाहन का नोडल बनायेंगें। प्रत्येक वाहन मे एक ग्राम विकास अधिकारी / ग्राम पंचायत विकास अधिकारी को आवश्यक रूप से नोडल बनाते हुये त्रुटिहित व्यवस्था पूर्ण करायेगे तथा

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

राज्य स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों की मंत्री ने की समीक्षा

संवाददाता

देहरादून। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने 25वें राज्य स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों की समीक्षा की।

आज यहां सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने हाथीबड़कला स्थित कैंप कार्यालय में आगामी 06 एवं 07 नवम्बर, 2025 को हल्द्वानी (जिला नैनीताल) एवं पन्तनगर (जिला ऊधमसिंहनगर) में आयोजित होने वाले 25वें राज्य स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों की समीक्षा बैठक की। मंत्री जोशी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम की सभी तैयारियां समयबद्ध एवं समन्वित ढंग से पूर्ण की जाएं, ताकि राज्य स्थापना दिवस समारोह की गरिमा एवं भव्यता सुनिश्चित की जा सके।

बैठक के दौरान मंत्री ने कार्यक्रम की तैयारियों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की और सफल आयोजन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में सैनिक कल्याण विभाग के सचिव दीपेन्द्र चौधरी सहित विभाग के अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मदकोट- बोना मोटर मार्ग की जांच को डीएम से मिले

कार्यालय संवाददाता

पिथौरागढ़। 115 किलोमीटर दूर पहुंचकर शनिवार को मदकोट- बोना मोटर मार्ग में की गई अनियमितताओं की जांच की मांग को लेकर जिलाधिकारी आशीष कुमार भटगांई से मुलाकात की। 23 करोड़ रुपए की लागत से हो रहे निर्माण कार्य की जिला स्तरीय टेक्निकल कमेटी से समयबद्ध जांच की मांग की। जिलाधिकारी ने आश्वासन दिया कि इस मोटर मार्ग में हो रहे कार्य को अपनी आंखों से देखेंगे।

इस मोटर मार्ग के निर्माण में गंभीर अनियमिताएं की जा रही है। शिकायत के बाद भी कार्यदायी संस्था ब्रिडकुल चुप्पी साधे हुए है। मदकोट-बोना तक बने मोटर मार्ग की लंबाई 23 किलोमीटर है। इस मोटर मार्ग में अपग्रेशन का कार्य पीएमजीएसवाई ब्रिडकुल द्वारा किया जा रहा है।

एक वर्ष के भीतर मोटर मार्ग में निर्माण कार्यों में हुए अनियमिताओं लेकर स्थानीय जनता समय-समय पर जांच की मांग कर रही है, लेकिन कार्यदायी संस्था के साथ-साथ शासन प्रशासन की ओर से कोई उचित कार्रवाई नहीं किए जाने से जनता में आक्रोश बढ़ता जा रहा

है। इस मोटर मार्ग से लाभान्वित होने वाले ग्राम पंचायत बोथी, तोमिक, बोना के ग्रामीणों ने शनिवार को निर्वतमान

❑115 किमी दूर जिला मुख्यालय आकर बताई व्यथा ❑डीएम ने कहा- खुद आऊंगा सड़क को देखने

जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया के नेतृत्व में जिलाधिकारी से मुलाकात की।

मुलाकात में बताया कि मोटर मार्ग में सड़क के किनारे की मिट्टी को निकाल कर सीमेंट में मिलाकर कार्य किया गया है। सुरक्षा के लिए बने दीवारों तथा कोजवे के निर्माण में भी मानक की धज्जियां उडाई गई है। सड़क के किनारे बने दीवारो भी गुणवत्ता का ख्याल नहीं रखा गया है। क्रेशर के गिट्टी की जगह कमजोर पत्थरों की प्रयोग किया गया है। कोजवे में जाल बिछाने में सरिया का भी कम इस्तेमाल किया गया है।

मोटर मार्ग में लगाया गया हॉट मिक्स भी उखड गया है। सड़क के किनारे नालियां भी नहीं बनाई गई है। पानी की निकासी नहीं होने से सड़क में जगह-जगह पर तालाब बन जाता है। जिलाधिकारी ने आश्वासन दिया कि इस मोटर मार्ग किए गए अनियमिताओं को देखने के लिए वें स्वंय धरातल जाएंगे। इस अवसर पर सीमांत बरपटिया/ जैठरा जनजाति उत्थान समिति की अध्यक्ष सुशीला बोथियाल, सामाजिक कार्यकर्ता पूजा दानू, अतुल सिंह परिहार, दिनेश सिंह फर्स्वाण आदि उपस्थित रहे।

स्किन और आंखों की समस्या का रामबाण इलाज है गाजर का जूस

सर्दियों का मौसम यानि की सब्जियों का मौसम। सर्दियों में सब्जियों के हमारे पास कई सारे ऑप्शन होते हैं, लेकिन जब बात आती है अच्छी सेहत कि तो दिमाग में हमेशा खाने की ही चीजें चलती हैं। अब जरा सोचिए कि क्या सिर्फ खाने से ही सेहत अच्छी बनेगी ? जी नहीं खाने के साथ हमें अपनी लिक्विड डायट का भी पूरा ध्यान रखना होगा है तभी तो दिल, दिमाग, आंखें और सेहत सब कुछ एकदम फिट रहेगा।

इसलिए आज हम आपको बताने वाले हैं गाजर के जूस के हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में। गाजर एक ऐसी सब्जी है, जो सर्दियों के मौसम में बाजारों में खूब मिलती है। गाजर आंखों के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। साथ ही इसमें कैलोरी बहुत कम होती है, इसलिए जो लोग डायटिंग, वजन कम करने के बारे में सोच रहे हैं वो भी इसका सेवन बिना झिझक के कर सकते हैं। गाजर का जूस न सिर्फ सेहत के लिए बहुत अच्छा माना जाता है, बल्कि ये कई बीमारियों का रामबाण इलाज भी है। तो चलिए जानते हैं गाजर के जूस के फायदे।

आंखों और स्किन की समस्या को करेगा दूर

गाजर में प्रचुर मात्रा में विटामिन ए पाया जाता है। रोजाना 1 गिलास गाजर का जूस पीने से स्किन और आंखों की समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। हेल्थसाइट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, रोजाना 1 गिलास गाजर का जूस पीने से मेटाबॉलिज्म में सुधार आता है। साथ ही यह फाइन लाइन्स, स्किन एजिंग, झुर्रियों को भी कम करने में मददगार साबित होता है।

पित्त स्राव को बढ़ाने में मददगार

कुछ अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि गाजर का जूस पीने से पित्त स्राव बढ़ता है। पित्त फैट को खत्म करने के लिए जिम्मेदार माना जाता है।

स्ट्रेस को करता है कम

गाजर का जूस में बीटा कैरोटीन में भरपूर मात्रा होता है, एक अध्ययन ने यह साबित किया है, बीटा-कैरोटीन ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने में मददगार साबित होते हैं। साथ ही यह ग्लूटाथियोन मेटाबॉलिज्म में सुधार करता है।

लंबे समय तक थकान की सुध नहीं ली तो हो सकते हैं बर्नआउट के शिकार

जो लोग हर समय खुद को थका हुआ, निराशा और उलझन से भरा हुआ महसूस करते हैं, उन्हें समझना चाहिए कि वे बर्नआउट का शिकार हो चुके हैं। यह एक तरह का सिंड्रोम है और इसका संबंध हार्ट रिद्म से भी होता है। यह बात हाल ही एक स्टडी में सामने आई है। ऐसे लोग हर समय एनर्जी की कमी महसूस करते हैं।।।

बर्नआउट की वजह

वाइटल एग्जॉशन, जिसे आमतौर पर बर्नआउट सिंड्रोम के रूप में जाना जाता है। यह लंबे समय तक स्ट्रेस में रहने के कारण होता है। जो लोग वर्क प्लेस और घर में किसी ना किसी कारण लंबे समय तक तनाव का सामना करते हैं, उन्हें इस तरह की दिक्कत हो जाती है।

डिप्रेशन से अलग होता है

बर्नआउट और डिप्रेशन में अंतर होता है। जो लोग डिप्रेशन में होते हैं, उनका मूड हर समय लो रहता है। इनमें आत्मविश्वास की कमी होती है और ये किसी तरह के गिल्ट से भरे होते हैं। जबकि बर्नआउट के शिकार लोगों में चिड़चिड़ापन और थकान अधिक देखने को मिलती है।

ऐसे बनती है स्थिति

रिसर्च में यह बात भी सामने आई कि बर्नआउट की यह स्थिति ज्यादातर उन लोगों में देखने को मिलती है, जो एग्जॉशन का लंबे समय तक शिकार रहते हैं। यह कहना है यूएस की साउथर्न कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी द्वारा की गई इस रिसर्च के ऑथर परवीन के गर्ग का।

दिल की धड़कनों पर असर

स्टडी में साफ हुआ है कि बहुत अधिक थकान, शरीर में सूजन और सायकॉलजिकल तनाव का बढ़ना एक दूसरे से लिंक है। जब यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो हार्ट टिश्यूज को डैमेज करने के का काम करती है। इसी कारण अरिद्मिया की स्थिति बनने लगती है और दिल की धड़कने कभी कम और कभी ज्यादा होती रहती हैं।

दिल की बीमारी का खतरा

एट्रियल फिब्रिलेशन यानी एएफ को अरिद्मिया के नाम से भी जाना जाता है। इस स्थिति में हार्ट बीट्स रेग्युलर तरीके से काम नहीं पाती हैं और ब्लड क्लॉट्स, हार्ट फेल्यॉर और दिल संबंधी दूसरी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। हालांकि इस खतरे की दर को अभी मापा नहीं जा सका है।

एग्जॉशन से बढ़ती दिल की बीमारी

यह बात पूर्व में हुई कई स्टडीज में साफ हो चुकी है कि जरूरत से अधिक थकान और एग्जॉशन के कारण कार्डियॉवस्कुलर डिजीज का खतरा बढ़ जाता है। इसमें हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा भी शामिल है। गर्ग का कहना है कि अगर एग्जॉशन से बचने और तनाव को डील करने का तरीका जान लिया जाए तो दिल से जुड़ी कई बीमारियों से बचा जा सकता है।

ब्रजभाषा हमारी सांस्कृतिक पहचान

''मीठी बोली ब्रज की, रस भरी कहावत मात।

सुनि सुख पावै हर हृदय, मिटै मनन की घात''।।

जा दोहा को अर्थ जिए कि ब्रजभाषा की बोली बहुत मीठी है और रस ते भरी है। जाइ सुनिकि दिल बहुत खुश है जांतु है और मन में जो बैचेनी होंति काए बु सब खतम है जाति है। ब्रजभाषा हमारे मुरारी और ब्रज की रानी राधा के द्वारा बोली जाएबे बारी भाषा है। जि मथुरा के तमाम परौसी जिले नमि बोली जांति है जैसे- हाथरस, अलीगढ़, आगरा, भरतपुर, पलवल आदि। मथुरा ते बाहर के लोग ब्रजभाषा के बारे मि कहमतइ कि जो आदमी ब्रजभाषा बोल्तुकाइ बु मिठाई सी बांटतुए। ब्रजभाषा की सीमा के बारे में ब्रिटिश कलेक्टर एस.एस ग्राउस ने अपनि किताब ''मथुरा-ए-डिस्ट्रिक्ट-मेमोरियर'' के एक दोहा में ब्रज की भाषा कहां-कहां तक फैली वा के नाम बताए हैं ''इत बरदत, उत सोनहद इत शूरसेन को गांव, ब्रज चौरासी कोस में मथरा मंडल धर्म''। जि दोहा हमि बताए रहियो है कि ब्रजभाषा पूरब में अलीगढ़ जिले के बरहद गांव, पश्चिम में सोन, गुणगांव, दक्षिण में बटेश्वर गांव और उत्तर में भ्रषण शेरगढ़ तक फैली है। सूरदास के समय ब्रजभाषा अपने चरम काल पर पहुचि गयी जाके बाद होलि होलि लोकप्रियता में गिरावटि आएवे लगि गयी जाको सबसे बड़ो कारण जिए खड़ी बोली की प्रसिद्धि बढ़ रही पहले ब्रजभाषा में साहित्य लिखे जांतए बु सब बन्द है गये। पहलि

●ललित शर्मा

आकाशवाणी पे तमाम कार्यक्रम ब्रजभाषा में आमतए सब बन्द है गये। वर्तमान में ब्रजभाषा से संरक्षण और प्रसार का जि कोई संस्था ईमानदारी ते काम नाइ कर रही। जो ब्रजभाषा के संरक्षण काजि काम कर रहे हैं उन लोगनकु सरकार सम्मान करे तो बहुत बढ़िया बात होगी। ज्यादा ते ज्यादा सरकार या ब्रजभाषा संरक्षण का जो संस्था काम कर रही हैं वु संगोष्ठी को आयोजन करामि तो बहुत अच्छी बात होगी।

16 सितम्बर 2022 कु ''मट्टो की साइकिल'' फिल्म रिलीज भई जि फिल्म ब्रज भाषा में बनी गयी पूरी फिल्म में ब्रजभाषा बोली गयी। सबते प्यारी और मीठी भाषाए बचाइवे काजि प्रदेश सरकार ईमानदारी ते प्रयास करने चाहिए कोई प्रदेश स्तर पे ब्रजभाषा की अकादमी बनानी चाहिए जो आदमी ब्रजभाषा के संरक्षण काजि कामु करे वाइ पुरस्कार ते सम्मानित करनो चहिऐ। एक बात सही कि आजकल कछु यूट्यूबर यूट्यूब पर ब्रजभाषा में वीडियो बनामतइं इनसभी कु एकबात को ध्यान रखनो चाहिएं कि अच्छे वीडियो बनामें ताकि ज्यादा ते ज्यादा लोग ब्रजभाषा को आनन्दु लेमें। एक बड़ी समस्या और है कि हमारी युवा पीढ़ी अपने ब्रजभाषा बालिबे में शर्म महसूस करतइं जि बिल्कुल गलत बात है भाई सब युवाओ से विनम्र निवेदन है अपनी ब्रजभाषा बोलिबे में शर्म महसूस मति करो बल्कि अपनी मीठी प्यारी ब्रजभाषा बोलने में गर्व करो। जबकि विदेशी यहां आइकि ब्रजभाषा सीख रहे है। ब्रजभाषा के बारे में सूरदास ने सूरसागर में कही है ''सूरसागर में जो रस है, वह ब्रजभाषा की मधुरता के कारण ही संभव है। महानकवि तुलसीदास जी ने कहा ''ब्रजभाषा ऐसी मधुर है कि जो इसे सुन ले, उसका मन आप ही कोमल हो जाए।'' डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी ने कहा है ''ब्रजभाषा केवल एक बोली नहीं, यह भारत की सांस्कृति चेतना की भाषा है।'' ब्रजभाषा भारतीय संस्कृति की, भक्ति और प्रेम की आत्मा है। इसकी मधुरता, सरलता रसपूर्ण अभिव्यक्ति हृदय को छू लेती है। सूरदास और रसखान जैसे कवियों ने इस भाषा को अमर बनाकर इसे भक्ति और भावनाओं का स्वरूप दे दिया। आधुनिक युग में भी ब्रजभाषा अपनी मिठास और सांस्कृतिक गरिमा के कारण लोगों के हृदय में बसती है। अत: इसका संरक्षण और प्रसार हमारा नैतिक कर्तव्य है, क्योंकि ब्रजभाषा का संरक्षण हमारी सांस्कृतिक पहचान और भारतीयता का संरक्षण है।

सेब को सर्दियों में अपनी डाइट में जरूर करें शामिल

बहुत सारे पौष्टिक विटामिन, खनिज और फाइबर से भरपूर सेब स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होता है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक मध्यम आकार के सेब में 4.8 ग्राम फाइबर, ०.5 ग्राम वसा, ०.6 ग्राम प्रोटीन, १०० मिलीग्राम पोटेशियम, 11.6 ग्राम कार्बोहाइड्रेट और छह मिलीग्राम विटामिन सी होता है, जो स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माने जाते हैं। आइए आज आपको सर्दियों के मौसम में सेब के सेवन से होने वाले पांच फायदे बताते हैं।

पाचन को सुधारने में है सहायक

सर्दियों के मौसम में लोग भारी खाद्य पदार्थ खाने लगते हैं जिन्हें पचाना मुश्किल होता है। ऐसे में सेब में मौजूद पैक्टिन पाचन के लिए बहुत अच्छा होता है। पैक्टिन आंतों से पानी को अवशोषित करता है और पाचन को धीमा कर देता है। इसके अलावा फाइबर से भरपूर सेब का सेवन पेट में सूजन, अपच और कब्ज जैसी समस्याओं से भी राहत दिला सकता है और शरीर में पानी की मात्रा को पूरा करता है।

कोलेस्ट्रॉल को करता है कम

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि ठंड में लोग सर्दियों में कम सक्रिय रहते हैं और आरामदेह भोजन करते हैं, इसलिए शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर काफी बढ़ जाता है। रोजाना दो से तीन मध्यम आकार के सेब का सेवन पाचन में सुधार के साथ-साथ कोलेस्ट्रॉल को खून में धीरे-धीरे घुलने में भी मदद करता है। इसके साथ ही यह खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करके अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने में मदद करता है।

ब्लड शुगर के स्तर को रखता है नियंत्रित

विशेषज्ञों का कहना है कि गर्मियों की तुलना में सर्दियों के मौसम में मधुमेह के रोगियों में ब्लड शुगर के स्तर में वृद्धि होने की संभावना ज्यादा होती है। इसी वजह से मौसमी बदलाव में ऐसे लोगों को अपने खान-पान में ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत है। उन्हें सेब खाना चाहिए। नियमित रूप से सेब खाने से इंसुलिन प्रतिरोध को कम किया जा सकता है, जिससे ब्लड शुगर का स्तर भी कम हो जाता है।

हार्ट अटैक से करता है बचाव

सर्दी में रक्त वाहिकाएं सिकुड़ जाती हैं और इससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। इससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा भी बढ़ जाता है। इसके अलावा सर्दियों में जब कोरोनरी धमनियां सिकुड़ जाती हैं तो सीने में दर्द ज्यादा बढ़ जाता है, जिससे आपकी स्थिति खराब हो सकती है। इसके बचाव के लिए सेब का सेवन जरूरी होता है क्योंकि इसमें मौजूद फाइबर आपके ब्लड कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करता है।

वजन घटाने में है मददगार

ठंड के मौसम में हम ज्यादा कैलोरी वाला खाना खाते हैं, इसलिए वजन बढ़ना तय है। इस वजन को घटाने के लिए सेब बहुत महत्वपूर्ण है। सेब में कम कैलोरी होती हैं और यह फाइबर का एक अच्छा स्रोत होता है जो पेट को भरने में मदद करता है। इसके अलावा विशेषज्ञों का मानना है कि पैक्टिन निष्कर्षण आंत माइक्रोबायोम को नियंत्रित करता है जिससे किसी भी प्रकार की सूजन को रोकने में मदद मिलती है।

जानिए त्वचा को चमकदार बनाने के सुरक्षित तरीके

ब्लीचिंग त्वचा से काले धब्बे हटाने, असमान रंग को एक जैसा करने और चमकदार बनाने का एक प्रभावी तरीका है, लेकिन यह त्वचा के लिए सुरक्षित नहीं है। इसका कारण है कि ब्लीच हानिकारक रसायनों से बनी होती है और इससे त्वचा को अंदर तक नुकसान पहुंच सकता है। ऐसे में आइए आज हम आपको त्वचा को चमकदार बनाने के लिए पांच अन्य सुरक्षित तरीकों के बारे में बताते हैं।

ब्लीच के इस्तेमाल से त्वचा को होने वाले नुकसान

बाजार में बिकने वाली अधिकतर ब्लीच हाइड्रोक्विनोन, मरकरी (एचजी) और स्टेरॉयड जैसे रसायन से युक्त होती हैं। ऐसे में इसके इस्तेमाल से मरकरी विषाक्तता, त्वचा की सूजन, चकत्ते, खुजली, नीले और काले रंग की झाइयां, दर्दनाक मुंहासें, ब्लैकहेड्स और नेफ्रोटिक सिंड्रोम होने जैसे गंभीर दुष्प्रभाव पैदा हो सकते हैं। कई अध्ययनों के मुताबिक, रसायन युक्त ब्लीच हाइड्रोक्विनोन डीएनए को नुकसान पहुंचाने के साथ इम्यूनिटी में कमी लाने का भी कारण बन सकती है।

योगर्ट से आएगी चेहरे पर चमक

योगर्ट में मौजूद लैक्टिक एसिड त्वचा को चमकदार बनाने में मदद कर सकता है और इसमें त्वचा को सामान्य रखने वाले प्रभाव भी होते हैं। लाभ के लिए एक चम्मच योगर्ट में एक चुटकी हल्दी मिलाकर इसका पेस्ट बनाएं और फिर उसे अपनी त्वचा पर लगाएं। 15-3० मिनट के बाद त्वचा को साफ पानी से धो लें। आप चाहें तो त्वचा को मॉइस्चराइज करने के लिए इस मिश्रण में शहद भी मिला सकते हैं।

नींबू भी है प्रभावी

नींबू में मौजूद विटामिन- सी त्वचा को हाइड्रेट करने के साथ उस पर चमक भी ला सकता है। लाभ के लिए एक कप डिस्टिल्ड वॉटर में एक बड़ी चम्मच नींबू का रस मिलाएं और इसे टोनर के रूप में चेहरे पर लगाकर 1०-15 मिनट बाद धो लें। अगर आपकी त्वचा संवेदनशील है तो इस उपाय से बचें, क्योंकि इससे लालिमा और जलन हो सकती है। इस उपाय का उपयोग करने के बाद बाहर निकलने से पहले सनस्क्रीन लगाएं।

टमाटर का करें इस्तेमाल

टमाटर का इस्तेमाल त्वचा को सूरज की हानिकारक पैराबेंगनी (यूवी) किरणों के प्रभाव से बचाने के साथ-साथ इसे निखारने में मदद कर सकता है। लाभ के लिए आप अपने दैनिक आहार में टमाटर को शामिल कर सकते हैं या इसे घरेलू उपचार के तौर पर इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए एक चम्मच टमाटर के पेस्ट में एक चुटकी हल्दी और थोड़ा दूध मिलाएं, फिर इसे अपने चेहरे पर लगाएं और इसे 2०-3० मिनट बाद धो लें।

बेसन कर सकता है मदद

बेसन अपने सौंदर्य लाभों के लिए सबसे अधिक इस्तेमाल की जाने वाली घरेलू सामग्रियों में से एक है। यह रंगत को निखारने के लिए त्वचा को अच्छी तरह से एक्सफोलिएट करके साफ कर सकता है। लाभ के लिए एक बड़ी चम्मच बेसन में गुलाब जल मिलाएं और इस पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाएं। जब यह सूख जाए तो चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें। इस उपाय का इस्तेमाल हफ्ते में तीन बार करें।

सुबह-सुबह म्यूजिकल अलार्म बजेगा तो दिनभर मूड अच्छा रहेगा

रातभर की नींद पूरी करने के बाद भी अगर सुबह आपकी नींद नहीं खुलती, सुस्ती और आलस आता रहता है और फ्रेशनेस महसूस नहीं होता तो मधुर म्यूजिकल अलार्म आपकी मदद कर सकता है। जी हां, अगर नींद से जागने के लिए आप ऐसा अलार्म लगाएं जिसमें से म्यूजिकल आवाज आती है तो इससे न सिर्फ आपकी सुस्ती और आलस दूर होगा बल्कि दिनभर आपका मूड भी अच्छा रहेगा।

अलार्म तय करता है सुस्ती दूर होगी या नहीं

एक रिसर्च में कहा गया है कि सुबह जिस तरह का अलार्म सुनकर लोग जागते हैं, वही तय करता है कि उनकी सुस्ती दूर होगी या नहीं। शोधकर्ताओं ने पाया है कि एक अच्छा म्यूजिकल अलार्म आपको पूरे दिन तरोताजा रखता है। इसके उलट तेज आवाज वाला अलार्म सुनने से सुबह के वक्त सुस्ती बढ़ सकती है। यह रिसर्च उन लोगों के लिए काम की है जो सुबह उठते ही काम पर लग जाते हैं।

सजगता का स्तर बेहतर होता है

'पीएलओएस वन' नाम के जर्नल में इस रिसर्च को प्रकाशित किया गया है जिसे ऑस्ट्रेलिया की आरएमआईटी यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने किया है। रिसर्च में बताया गया है कि म्यूजिकल अलार्म सुनकर अगर किसी व्यक्ति की नींद खुलती है तो इससे उस व्यक्ति में सजगता का स्तर बेहतर हो सकता है यानी वो ज्यादा अलर्ट रह सकता है।

मधुर आवाज सुनकर हम अच्छे से जाग पाते हैं

ऑस्ट्रेलिया की आरएमआईटी यूनिवर्सिटी में असोसिएट प्रफेसर एडरियान डायर ने कहा, 'नींद से जागने पर 'बिप बिप' की तेज और कर्कश आवाज से दिमाग की गतिविधियां भ्रमित हो जाती हैं जबकि मधुर आवाज जैसे बीच बॉयज का गाना गुड वाइब्रेशन्स से हम अच्छे से जाग पाते हैं।' रिसर्च में ये भी बताया गया है कि म्यूजिकल अलार्म सुनकर उठना उन लोगों के लिए खास मायने रखता है जो जागते ही खतरनाक हालात में काम करने के लिए पहुंच जाते हैं। जैसे- दमकल विभाग के कर्मचारी, पायलट के रूप में विमान उड़ाने का कार्य, अस्पताल या कोई अन्य आपात कार्य जिसमें लोगों को बेहद चौकन्ना रहना पड़ता है।

एशियाई शेरों के संरक्षण का जीवंत केंद्र लायन सफारी

विनीत नारायण

जहां एक तरफ़ औद्योगीकरण के नाम पर दो भर में अंधाधुंध जंगल काटे जा रहे हैं, वहीं ऐसे प्रयास बहुत सराहनीय हैं जो हरित क्षेत्र को बढ़ाने की दिशा में किए गए हैं। पिछले हफ्ते मैं पहली बार पश्चिमी उत्तर प्रदेश के इटावा नगर के बाहर स्थित लायन सफारी' देखने गया। इत्तेफाक ही है कि दो महीने पहले ही मैंने अफ्रीका के केन्या में स्थित मसाई मारा वन्य अभयारण्य' का दौरा किया था। करीब 1.5 लाख हेक्टेयर में फैला सवाना ग्रासलैंड' हजारों तरह के वन्य जीवों के मुक्त विचरण के कारण विप्रसिद्ध है। वहां मैंने एक खुली जीप में बैठ कर 3 मीटर दूर बैठे बब्बर शेर और शेरनियों को देखने का रोमांचकारी अनुभव हासिल किया। मुझे नहीं पता था कि उत्तर प्रदेश में भी एक विशाल सरकारी पार्क है, जहां बब्बर शेर और शेरनियां और तमाम दूसरे इक्षहसक पशु खुलेआम विचरण करते हैं। शायद आपने भी कभी इटावा के लायन सफारी' का नाम नहीं सुना होगा।

इटावा का यह लायन सफारी (जिसे अब इटावा सफारी पार्क के नाम से जाना जाता है) मसाई मारा के स्तर का तो नहीं है, पर इसकी अनेक विशेषताएं इसे मसाई मारा के अभयारण्य से ज्यादा आकषर्क बनाती हैं। जहां सवाना ग्रासलैंड में पेड़ों का नितांत अभाव है और पचासों मील तक सपाट मैदान है, वहीं इटावा का लायन सफारी बीहड़ क्षेत्र में बसा है। इसमें सैकड़ों प्रजाति के बड़े-बड़े सघन वृक्ष लगे हैं। इसके चारों ओर चंबल नदी की घाटी की तरह मिट्टी के कच्चे पहाड़ हैं जिनके पास से यमुना नदी बहती है। यह न केवल एशिया के सबसे बड़े ड्राइव-थ्रू सफारी पार्कों में से एक है, बल्कि एशियाई शेरों के संरक्षण का जीवंत केंद्र भी है।

इटावा लायन सफारी की अवधारणा 2००6 में ही प्रस्तावित हो चुकी थी, लेकिन इसका निर्माण 2०12-13 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार के दौरान शुरू हुआ। यह परियोजना उत्तर प्रदेश वन विभाग के सामाजिक वानिकी प्रभाग इटावा के तहत फिशर फॉरेस्ट' क्षेत्र में विकसित की गई जो इटावा शहर से मात्र 5 किमी. दूर इटावा-ग्वालियर रोड पर स्थित है। फिशर फॉरेस्ट का अपना ऐतिहासिक महत्त्व है। 1884 में इटावा के तत्कालीन जिला प्रशासक जे.एफ. फिशर ने स्थानीय जमींदारों को मना कर इस क्षेत्र में वनरोपण की शुरुआत की थी, जो राज्य का सबसे पुराना वन क्षेत्र माना जाता है। यह निर्माण कार्य उप्र. वन विभाग की निगरानी में हुआ जिसे केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण की मंजूरी मिली। परियोजना को स्पेनिश आर्किटेक्ट फ्रैंक बिडल ने डिजाइन किया।

यह सफारी पार्क कुल 35० हेक्टेयर में फैला हुआ है, जिसकी परिधि लगभग 8 किमी. लंबी है। इसमें शेर ब्रिडिंग सेंटर के लिए 2 हेक्टेयर क्षेत्र आरक्षित है, जहां 4 ब्रिडिंग सेल हैं। सफारी के विभिन्न जोन लायन सफारी, डियर सफारी, एंटीलोप सफारी, बियर सफारी और लेपर्ड सफारी। इसका बड़ा हिस्सा आरक्षित वन क्षेत्र के रूप में विकसित किया गया है। यहां पंचवटी वृक्षों (बरगद, आंवला, अशोक, बेल और पीपल) की प्रजातियों से भरा हरित आवरण है। पूरा क्षेत्र 78०० मीटर लंबी बफर बॉर्डर वॉल से सुरक्षित है, जो वन्यजीवों को बाहरी खतरों से बचाता है। 2०14 में गुजरात के चिड़ियाघरों से 8 शेरों को यहां लाया गया जिनमें से कुछ कुत्ते की बीमारी (कैनाइन डिस्टेंपर) से प्रभावित हुए लेकिन अमेरिका से आयातित वैक्सीन के बाद अब यहां 19 एशियाई शेर (7 नर और 12 मादा) हैं। पार्क में 247 प्रजातियों के पक्षी, 17 स्तनधारी प्रजातियां और 1० सरीसृप प्रजातियां भी हैं।

यह सफारी पार्क जनता के लिए 24 नवम्बर, 2०19 से खुला। लायन सेगमेंट को अंतिम चरण में जोड़ा गया। आज यह उप्र का एकमात्र मल्टीपल सफारी पार्क है, जो एशियाई शेर जैसी लुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। शेर ब्रिडिंग सेंटर न केवल प्रजनन को बढ़ावा देता है, बल्कि आनुवंशिक विविधता को बनाए रखने में भी सहायक है। पर्यावरणीय दृष्टि से पार्क जलवायु परिवर्तन के दौर में जैव विविधता के संरक्षण का प्रतीक है। यहां आने वाले पर्यटक न केवल शेरों को उनके प्राकृतिक वातावरण में देख सकते हैं, बल्कि 4डी थिएटर के माध्यम से वन्यजीवों के करीब महसूस भी कर सकते हैं।

सवाल है कि इसका रखरखाव और विकास कैसे सुनिश्चित हो ताकि यह प्रमुख पर्यटन स्थल बने। पार्क की डिजिटल बुकिंग सिस्टम को मजबूत किया जाना, इको-फ्रेंडली आवास सुविधाएं बढ़ाना और स्थानीय समुदायों को रोजगार से जोड़ने की जरूरत है। सौर ऊर्जा के उपयोग, जो अभी कम है, को बढ़ाकर इसे ग्रीन टूरिज्म मॉडल बनाया जा सकता है। चंबल नदी के निकट होने से नेशनल चंबल सैंक्चुअरी के साथ इंटीग्रेटेड टूर पैकेज विकसित किए जाएं। इस पार्क का बजट आवंटन बढ़ाया जाए तो यह न केवल राष्ट्रीय, बल्कि अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर भी चमकेगा। पर्यटक बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया कैंपेन और स्कूलों के लिए एजुकेशनल टूर्स आयोजित किए जाएं।

गौरतलब है कि एशियाई शेर, जो गिर वन (गुजरात) तक सीमित हैं, भारत के प्रतीक हैं। यहां आकर हम अपनी जैव विविधता की जिम्मेदारी समझते हैं। बच्चे और युवा वन्यजीव संरक्षण के महत्त्व को सीख सकते हैं, जो आज के पर्यावरण संकट के समय में आवश्यक है। पर्यटन के चलते इटावा जैसे छोटे शहरों में रोजगार सृजन होता है, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है। आगरा (ताज महल) से मात्र 2 घंटे और लखनऊ से 3 घंटे की दूरी पर स्थित होने से यह एक्सेसिबल है। यह अनूठा अनुभव प्रदान करता है, अपनी कार से शेरों को नजदीक से देखना जो अजायब घर की कैद से अलग है, यह हमें प्रकृति से जोड़ता है। भारतीयों को यहां आकर गर्व महसूस करना चाहिए कि हमारा देश ऐसे प्रयास कर रहा है, जो वैश्विक स्तर पर वन्यजीव संरक्षण में योगदान दे रहा है।

इटावा लायन सफारी केवल पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि संरक्षण, शिक्षा और सतत विकास का प्रतीक है। सरकार, वन विभाग और नागरिकों के संयुक्त प्रयासों से इसे और समृद्ध बनाया जाए। हर भारतीय को कम से कम एक बार यहां आना चाहिए प्रकृति की पुकार सुनने के लिए, अपनी जड़ों से जुड़ने के लिए।

(लेख में व्यक्त विचार निजी हैं)

शब्द सामर्थ्य -031

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कत्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।

ऊपर से नीचे

1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।

1		2	■	3		4	■	5
	■	6			■	7		
8		9	■	10	11		■	
■		■	■	■		■	■	■
12		13	■	14		15	■	16
	■	17		■	■	18		
19	20		■	21	22		■	
■		■	■	■		■	23	
24			■	25			■	

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 30 का हल

अं	त	■	म	री	ज	■	■	■
ग	ह	न	ता	■	ब	र	ब	स
■	की	■	धि	क्का	र	■	र	मा
■	का	■	का	■	द	वा	खा	ना
प	त	वा	र	■	स्त	र	■	■
ह	■	■	■	■	■	दा	मि	नी
ना	■	ए	ह	ति	या	त	■	लां
वा	च	क	■	हा	■	■	खू	ब
■	■	ता	ब	ड़	तो	ड़	■	र

रॉकेटशिप का ट्रेलर पेश करता है एक सशक्त मां-बेटी की कहानी!

ईशा कोप्पिकर की अगली फिल्म, रॉकेटशिप, का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर आखिरकार लॉन्च हो गया है, जो दर्शकों को एक भावनात्मक रूप से भरपूर सिनेमाई अनुभव की पहली झलक देता है। निर्माता हरमन राय सहगल ने सोशल मीडिया पर ट्रेलर को एक भावुक कैप्शन के साथ साझा किया है जो फिल्म के सार को बखूबी दर्शाता है- हर सपने को चाहिए एक सहारा, हर सफर को चाहिए प्यार। व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल की इस प्रस्तुति में ईशा कोप्पिकर एक ऐसे किरदार के साथ पर्दे पर वापसी कर रही हैं। जिसमें वे एक ऐसी भूमिका निभा रही हैं जो अपनी बेटी के सपनों को साकार करने में समर्थन करने वाली एक माँ के रूप में उनके अभिनय कौशल को दर्शाता है। ट्रेलर एक ऐसी भावनात्मक कहानी की झलक देता है, जो एक मां की अटूट शक्ति और बेटी के अडिग सपनों के बीच के गहरे रिश्ते को उजागर करता है, और एक ऐसी कहानी के लिए मंच तैयार करती है जो देश भर के परिवारों के साथ जुड़ जाएगी। ईशा कोप्पिकर, जिन्होंने सालों से अपनी खूबसूरती, शालीनता और अभिनय प्रतिभा से दर्शकों के दिलों पर राज किया है, अब रॉकेटशिप में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभा रही हैं जो दर्शकों के दिल को छूने और भावनाओं की गहराइयों में ले जाने का वादा करती है। यह प्रोजेक्ट खास इसलिए भी है क्योंकि यह अनुभवी प्रतिभाओं और उभरते हुए फिल्म निर्माताओं - खासकर सुभाष घई की प्रतिष्ठित व्हिस्लिंग वुड्स इंटरनेशनल अकादमी के छात्रों - के बीच एक सुंदर सहयोग का प्रतीक है। ईशा का इस डिप्लोमा प्रोजेक्ट में हिस्सा लेने का फ़ैसला इस बात को दर्शाता है कि वह नए टैलेंट को बढ़ावा देने के लिए कितनी प्रतिबद्ध हैं, और किस तरह वो इन छात्रों की संघर्षपूर्ण यात्रा से खुद को जुड़ा हुआ महसूस करती हैं। उन्होंने भी अपने करियर की शुरुआत बिना किसी फिल्मी बैकग्राउंड के की थी, और वह इन छात्रों में अपने ही सपनों की झलक देखती हैं। रॉकेटशिप का ट्रेलर सोशल मीडिया पर आते ही खूब चर्चा बटोर रहा है। दर्शक इसके संवेदनशील विषयवस्तु और ईशा की दमदार भूमिका की जमकर सराहना कर रहे हैं। जैसा कि ट्रेलर से पता चलता है, दर्शक भावनात्मक गहराई से भरी एक कहानी की उम्मीद कर सकते हैं, जो त्याग, महत्वाकांक्षा और उस गहरे प्यार के विषयों को उजागर करती है जो एक माता-पिता को अपने बच्चे के सपनों के लिए प्रेरित करता है। ईशा कोप्पिकर की शानदार अदायगी और युवा व नवोदित फिल्म निर्माताओं की रचनात्मक ऊर्जा के साथ, रॉकेटशिप दर्शकों के दिलों में उतरने और एक गहरी छाप छोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है।

सान्या मल्होत्रा ने दिखवाया सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का फनसाइड

अभिनेत्री और स्टार परफॉर्मर सान्या मल्होत्रा ने फैंस को पर्दे के पीछे की वह मस्ती दिखाई है, जिसकी हमें ज़रूरत तो थी, लेकिन हमने सोची नहीं थी! हाल ही में उन्होंने सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी के सेट से एक मज़ेदार बीटीएस मोमेंट्स शेयर की है, और यह फैन्स के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है। हंसी-मज़ाक से भरे ब्रेक्स से लेकर अनपेक्षित और सच्चे पलों तक, सान्या की (बिहाइंड द सीन्स) फोटोज़ और वीडियोज़ का ये करूसल फिल्म की स्टारकास्ट के बीच की गर्मजोशी और दोस्ती को बख़ूबी दर्शाता है। उन्होंने पोस्ट को कैप्शन दिया- स्प्लूज्य ??? जो बात सबसे ज़्यादा ध्यान खींचती है, वह है कलाकारों के बीच की सहज केमिस्ट्री। चाहे वो एक छोटा सा मज़ाक हो, शूटिंग के दौरान हुई किसी गलती पर साझा हँसी, या एक-दूसरे के प्रति सच्चा सम्मान, हर पल में सब के बीच की दोस्ती साफ़ दिखाई देती है। सान्या की ऊर्जा पूरे माहौल को हल्का और खुशनुमा बना देती है, जिससे लंबे शूटिंग शेड्यूल भी आसान लगते हैं। फैंस ने कमेंट सेक्शन में तुरंत प्रतिक्रिया की बाढ़ ला दी - सभी को पर्दे के पीछे की ये झलकियाँ बेहद पसंद आईं।

यह याद दिलाने वाला है कि बेहतरीन कहानी सिर्फ कैमरे के सामने ही नहीं, बल्कि उसके पीछे भी बनती है। मस्ती भरे पलों से लेकर दिल को छू लेने वाली बातों तक, सान्या मल्होत्रा अपने प्रशंसकों को एक बेहतरीन तोहफ़ा दे रही हैं- सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी की खुशनुमा दुनिया की एक झलक, जहां हर मुस्कान, हर हँसी और हर बीटीएस मोमेंट यादगार बन जाता है। हाल ही में फिल्म कटहल' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने और मिसेज़' में सराहे गए परफॉर्मेंस के बाद, सान्या का करियर एक दुर्लभ संतुलन दिखाता है - जहां कला और व्यवसाय दोनों साथ चलते हैं। सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' के साथ, फैंस को विश्वास है कि वह न केवल खुद को साबित कर रही हैं, बल्कि दर्शकों का ध्यान भी पूरी तरह खींच रही हैं - हर फ्रेम में उनका स्टारडम, आकर्षण और सिग्नेचर एनर्जी साफ नज़र आती है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

कृति शेट्टी ने अब्दी-अब्दी गाने के लिए सीखा बेली डांस

अभिनेत्री कृति शेट्टी बहुत जल्द दक्षिण भारतीय फिल्मों के अभिनेता के साथ फिल्म जीनी में दिखाई देंगी। इसका गाना अब्दी अब्दी बहुत जल्द रिलीज होगा। इस गाने के लिए खासतौर पर उन्होंने बेली डांस सीखा। कृति शेट्टी ने बताया कि इस गाने की तैयारी के लिए उन्हें अपने बिजी शेड्यूल से वक्त निकालना काफी मुश्किल रहा, फिर भी वह इसकी प्रैक्टिस के लिए जाती थीं। इस गाने में कल्याणी भी हैं, दोनों फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। गाने के रिलीज होने से पहले इनका बेली डांस करते हुए एक वीडियो हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

इस गाने के बारे में बात करते हुए कृति ने कहा, जब मुझे फिल्म में बेली डांस के बारे में पता चला, तो मैं बेहद खुश हुई, क्योंकि जैसा कि हम जानते हैं, जीनी एक मध्य पूर्व का विचार है, जो अरेबियन नाइट्स की कहानियों में देखा गया है। इसलिए फिल्म में बेली डांस का होना पूरी तरह से फिट बैठता है। यह मुझे बेली डांस की दुनिया तक ले गया, और मैं व्यक्तिगत रूप से बहुत उत्साहित थी, क्योंकि मुझे डांस करना पसंद है और इसने मुझे एक नया डांस फॉर्म सीखने का शानदार मौका दिया।

उन्होंने बताया, मेरे लिए यह सीखना थोड़ा मुश्किल हो गया क्योंकि मैं चेन्नई में अपनी तीन तमिल फिल्मों की लगातार शूटिंग कर रही थी। मुझे अभ्यास करने का मौका केवल तभी मिलता था जब मैं मुंबई वापस आती थी और डांस क्लासेज में जाकर इसे सीखती थी। मैं वास्तव में वहां कुछ घंटे बिताती थी और इसमें काफी समय लगता था। खैर, मुझे नई चीजें सीखना बहुत पसंद है। यह मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से बहुत मजेदार था।

कृति ने यह भी बताया कि बेली डांस सीखना कोई आसान काम नहीं था, लेकिन पूरी लगन के साथ इसकी तैयारी में उन्होंने खुद को झोंक दिया। इस दौरान कमर को एक विशेष रूप से मूव करना सबसे कठिन रहा।

बताया जा रहा है कि इस गाने में बेमिसाल कोरियोग्राफी, शानदार दृश्य और एक आकर्षक धुन है।

नोरा फतेही ने थाम्मा के सबसे बड़े पार्टी एंथम में बिखेरा जलवा

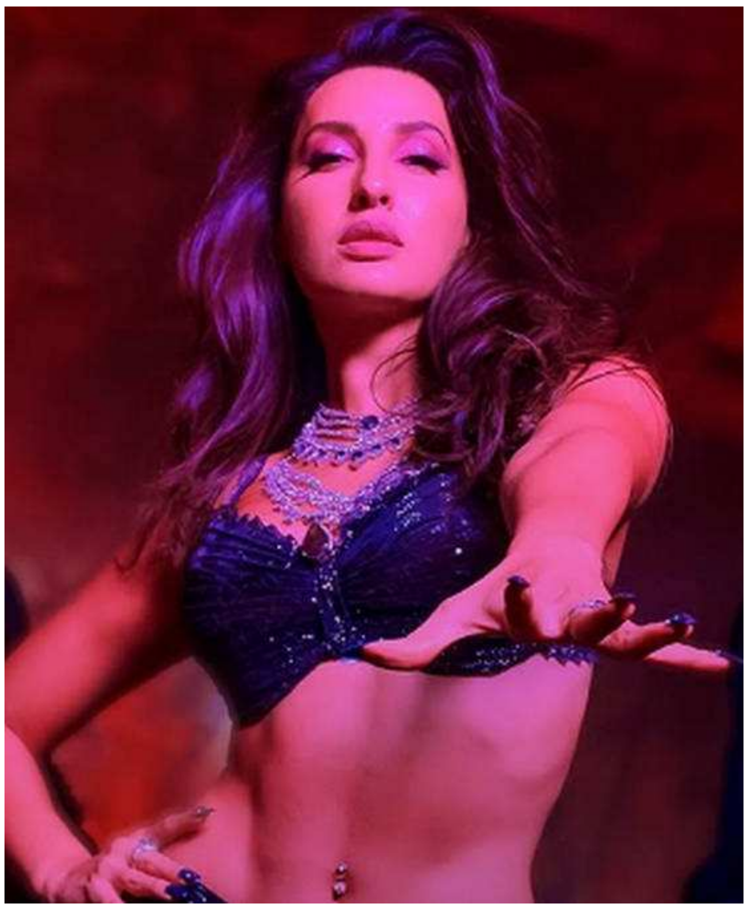

इसमें कोई शक नहीं कि जब ग्लोबल स्टार नोरा फतेही स्क्रीन पर आती हैं, तो हर फ्रेम में धमाका होता है। आने वाली फिल्म थाम्मा के गाने दिलबर की आँखों का के साथ, नोरा एक बार फिर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रही हैं, एक ऐसा प्रदर्शन जो प्योर सिनेमाई आकर्षण है। नोरा की दमदार मौजूदगी, बेजोड़ एक्सप्रेशन्स और तेज़तर्रार कोरियोग्राफी हर पल को पावर और ग्लैमर से भर देती है। यह सिर्फ एक और गाना नहीं है - यह नोरा फतेही का जलवा है, जो एक बार फिर यह साबित करता है कि क्यों वह आज भी बॉलीवुड की सबसे एनर्जेटिक और आकर्षक परफॉर्मर बनी हुई हैं।

पिछली बार जब नोरा ने स्त्री फ़िल्म के कमरिया में गाने से स्क्रीन पर धूम मचाई थी, तो इस गाने ने 43 करोड़ से ज्यादा व्यूज़ के साथ ग्लोबल चार्ट्स पर छा गया और बॉलीवुड डांस एंथम्स के लिए एक नया बेंचमार्क सेट कर दिया। अब दिलबर की आंखों का' के साथ वह उस मुकाम को और ऊंचा उठा दिया हैं - जिसमें उन्होंने स्टाइल, पावर और भव्यता का ऐसा मिश्रण किया है, जिसे पहले ही साल का सबसे बड़ा डांस ट्रैक माना जा रहा है। इस अनुभव के बारे में बात करते हुए, नोरा फ़तेही ने कहा, दिलबर की आँखों का पर परफ़ॉर्म करना मेरे लिए बेहद रोमांचक था। हर बीट को महसूस करना और यह जानना कि ऑडियंस भी साथ में थिरकना चाहेंगे, यह बहुत ही एक्साइटिंग बना दिया।

यह गाना पूरी तरह से धमाकेदार है और हाई-एनर्जी परफॉर्मेंस व आइकोनिक बॉलीवुड ग्लैमर का सिलसिला आगे बढ़ाता है - वही जोश जिसे दर्शक हमेशा मुझसे देखना पसंद करते हैं। कोरियोग्राफी दमदार है, हुक स्टेप आकर्षक है, और सेट पर हर पल ऐसा लगा जैसे मैं म्यूजिक की बीट के साथ थिरक रही हूँ।

मैडॉक फिल्म्स के भव्य प्रोडक्शन द्वारा निर्मित, दिलबर की आँखों का सहज कोरियोग्राफी, शानदार स्टाइल और ऐसी विजुअल ट्रीटमेंट जो हर फ्रेम को बोल्ड, ग्लैमरस और इलेक्ट्रिफाइंग बना देती है। सोशल मीडिया पर नोरा के शानदार अभिनय की प्रशंसा और फैंस नोरा की तारीफों के पुल बांध रहे हैं, एक बात फिर से साफ हो गई है- नोरा फतेही जैसा स्क्रीन पर कोई और प्रभावशाली नहीं है।

भाजपा को बिहार में दलित, पिछड़ों के सवाल भारी पड़ेंगे

शकील अख्तर

चीफ जस्टिस पर जूते से हमले की घटना के साथ रायबरेली में एक दलित हरिओम को भयानक रूप से पीट पीट कर मारने का अर्थ है कानून का डर नहीं हैं। क्या दलित-पिछड़ों की सुरक्षा, सम्मान से जुड़े यह सारे सवाल बिहार चुनाव में भाजपा के हिन्दू मुसलमान के नकली मुद्दे के सामने दब जाएंगे? मोदी फिर चुनाव को भैंस खोलकर ले जाएंगे, मंगलसूत्र छीन लेंगे जैसे हवा हवाई मुद्दों पर ले जा पाएंगे?

राजनीति में कब कौन सा मुद्दा उभर कर सामने आ जाए कोई नहीं कह सकता। भाजपा अपने एकमात्र मुद्दे हिन्दू बनाम मुसलमान पर बिहार चुनाव लड़ना चाह रही थी। मगर अचानक दलित सम्मान, डॉ आम्बेडकर, आरक्षण, सामाजिक न्याय के मुद्दे सामने आ गए।

प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह बिहार में लगातार जा जाकर घुसपैठियों का सवाल उठा रहे थे। उनकी मदद करने के लिए चुनाव आयोग विशेष गहन पुनरीक्षण (सर) ले आया। कर भी दिया। सुप्रीम कोर्ट की एक नहीं सुनी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा पहचान पत्र में आधार को मानो। आयोग ने अपनी डाक्यूमेंट की लिस्ट में उसे शामिल तो कर लिया मगर पहचान का प्रमाण नहीं माना। सुप्रीम कोर्ट ने कहा किस-किस के नाम काटे हैं और क्यों बताओ?

नहीं बताया। पूरी मनमानी की। सुप्रीम कोर्ट में मामला चल रहा है और उधर चुनाव की तारीख भी घोषित कर दी। लेकिन सबसे बड़ा पेंच यह फंसा कि जिस घुसपैठिए की बात कर रहे थे, वह कहां है? 70 लाख से ज्यादा वोट काटे। मगर एक घुसपैठिए का नाम नहीं बता पाए!

हालांकि इससे कुछ नहीं होगा। बीजपी को सांप बताने के लिए धज्जी की भी जरूरत नहीं पड़ती है। वह हवा में बना देती है। कुछ भी बोल देती है। और गोदी मीडिया उसे सही साबित करने में लग जाता है। मोदी और अमित शाह बिहार में घुसपैठिए शब्द का इस्तेमाल करके हिन्दू बनाम मुसलमान बनाएंगे। इसके अलावा उनके पास कोई मुद्दा नहीं है। मोदी के 11। साल से ज्यादा के शासन के बाद और नीतीश के 20 साल के शासन के बाद उनके पास बताने के लिए कोई काम नहीं है।

लेकिन क्या इस बार बिहार का दलित, पिछड़ा, बीजेपी की हिन्दू बनाम मुसलमान की बात सुनेगा?

हाल में घटनाक्रम बहुत तेजी से घुमा है। सबसे शर्मनाक सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस बी आर गवई पर जूते से हमले हुआ। और फिर उससे ज्यादा चिंताजनक उस हमले को सही बताना हुआ। गोदी मीडिया के साथ सोशल मीडिया भी इससे भर गया कि ऐसा हुआ तो ऐसा हुआ। और दूसरे दिन सुबह मीडिया हमला करने वाले वकील के घर उनका इंटरव्यू करने पहुंच गया।

पहले कभी इस तरह के आरोपी और यह तो अपराधी है खुद स्वीकार कर रहा है के इंटरव्यू नहीं होते थे। उन्हें अपने बचाव में तर्क देने के लिए मीडिया अपना मंच उपलब्ध नहीं कराता था। लेकिन यहां तो हमले का महिमामंडन किया जा रहा है।

गवई की मां और बहन सामने आना पड़ा। बोलना पड़ा। होना तो यह चाहिए था कि सुप्रीम कोर्ट के दूसरे जज बोलते। देश भर के हाई कोर्ट बोलते। मगर सब खामोश रहे।

चीफ जस्टिस गवई की मां और बहन को कहना पड़ा कि यह संविधान पर हमला है। अत्यंन्त निंदनीय। कितने दुःख और शर्म की बात है कि जो बात सुप्रीम कोर्ट के दूसरे जजों को कहना चाहिए थी, कानून मंत्री को कहना चाहिए थी। गृह मंत्री को कहना चाहिए थी वह परिवार को कहना पड़ी।

प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिक्रिया भी बहुत देर से आई। और वे उसमें हमला करने वाले के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के बदले गवई की शांति और संयम की तारीफ कर रहे हैं। जबकि कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी का घटना की निंदा करने का प्रेस नोट थोड़ी देर बाद ही सामने आ गया था। उन्होंने ठीक मर्म पर हाथ रखा। कहा यह संविधान पर हमला है। पूरे देश को चीफ जस्टिस के साथ खड़ा होना होगा।

उनका यह मैसेज कहां तक जाएगा देखना होगा। फिलहाल तो चीफ जस्टिस को दलित होने के कारण सोशल मीडिया पर खुले आम गालियां दी जा रही हैं। सड़क पर मारने की धमकी दी गई। और जब पुलिस ने पकड़ा तो बीजेपी के नेता जाकर थाने से छुड़ा लाए। थाने से बाहर लेकर आने का वीडियो शान से दिखाया गया। और कहा गया कि सरकार हमारी है।

दलित बहुत अपमानित महसूस कर रहे हैं। भयभीत तो पहले ही थे। कब कहां किस की लिंचिग हो जाए पता नहीं। चीफ जस्टिस वाली घटना के साथ ही रायबरेली में एक दलित हरिओम को भयानक रूप से पीट पीट कर मारा गया। वह बेचारा राहुल गांधी का नाम ले रहा था तो मारने वालों ने कहा कि हम सरकार के लोग हैं।

गांव के दलित हरिओम की पीट पीट कर जाने लेने वालों से लेकर चीफ जस्टिस आफ इंडिया पर जूते से हमला करने वालों को किसी कानून का कोई डर नहीं है। उनके समर्थकों ने सोशल मीडिया पर चीफ जस्टिस आफ इंडिया के गले में एक हांडी बांध दी। जैसे पहले दलितों के गले में बांधी जाती थी। और जो मीम बनया गया है उसमें वकील चीफ जस्टिस गवई के मुंह पर जूता मारता दिखाई दे रहा है। मैसेज क्लियर है कि दलितों को इस तरह रहना होगा।

यह सब अचानक क्यों हुआ?

कहा जा रहा है कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के आरक्षण की सीमा बढ़ाए जाने के बयान की प्रतिक्रिया में। आरक्षण विरोधी जिसमें बीजेपी के समर्थक ही ज्यादा हैं अपनी ही पार्टी के मुख्यमंत्री मोहन यादव के पीछे पड़ गए। उन्हें भी गालियां दी जाने लगीं। जबकि मामला सुप्रीम कोर्ट में है जहां मध्य प्रदेश सरकार ने बस इतना कहा है कि पिछड़ों की पचास प्रतिशत से ज्यादा आबादी और उनके सामाजिक एवं शैक्षणिक पिछड़ेपन को देखते हुए उनका आरक्षण 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत किया जाना चाहिए। इस मुद्दे पर तो बीजेपी के ट्रोलों और भक्तों में दो फाड़ हो गए। बड़ी संख्या में दलित पिछड़े भी बीजेपी को ट्रोल सेना में शामिल थे। वे मोहन यादव का समर्थन करने लगे। जबकि दूसरे उन्हें भस्मासुर बताने लगे। बर्खास्त करने की मांग करने लगे। और आईटी सेल में अपने ही साथी दलित पिछड़ों को गालियां देने लगे।

यह सारा घटनाक्रम उस समय घटित हो रहा है जब बिहार में चुनाव हैं। और बिहार सामाजिक न्याय की सबसे बड़ी भूमि है। वहां आज तक बीजेपी के नहीं आ पाने का सबसे बड़ा कारण यह है कि दलित, पिछड़ों के बीच वह संदेह की निगाहों से देखी जाती है। उसे अगर कुछ सफलता मिलती है तो नीतीश के कारण जिन्होंने अति पिछड़ों के बीच अपनी जगह बनाई है। बीजेपी का वोट बैंक सवर्ण है। जो बिहार में लगभग 15 प्रतिशत है। बीजेपी बाकी दलित पिछड़ों का कुछ वोट लेकर वहां अपनी स्थिति बनाती है। मगर इस बार जिस तरह सारा माहौल दलित पिछड़ों के खिलाफ हो गया वह सबसे ज्यादा बीजेपी के लिए समस्या है।

ऐसे में ग्वालियर में बीजेपी ने जो अंबेडकर का मामला दबा दिया था वह और ज्यादा विवादों के साथ सामने आ गया है। वहां एक वकील अनिल मिश्रा ने डॉ आंबेडकर के खिलाफ बहुत ही अपमानजनक बातें बोलीं। उन्हें अंग्रेजों का गुलाम और झुठा बोला। कहा कि संविधान बीएन राव ने बनाया था। आंबेडकर तो संविधान को जलाना चाहते थे। इसे लेकर दलितों के बीच बहुत आक्रोश है।

इससे पहले वहां हाइकोर्ट परिसर में अंबेडकर की प्रतिमा लगाना थी। जिसे अंबेडकर विरोधियों ने नहीं लगने दिया। और अब अंबेडकर के खिलाफ इस तरह के शब्दों का प्रयोग किया गया।

क्या दलित-पिछड़ों की सुरक्षा, सम्मान से जुड़े यह सारे सवाल बिहार चुनाव में भाजपा के हिन्दू मुसलमान के नकली मुद्दे के सामने दब जाएंगे? मोदी फिर चुनाव को भैंस खोलकर ले जाएंगे, मंगलसूत्र छीन लेंगे जैसे हवा हवाई मुद्दों पर ले जा पाएंगे? या बिहार चुनाव बेरोजगारी, चुनाव आयोग की धांधलियों, सामाजिक न्याय, दलित चीफ जस्टिस पर हमले, अपमान और दलित पिछड़ों के मसीहा माने जाने वाले डॉ आम्बेडकर पर घटिया आरोप लगाने और लगाने वाले को भी उसी तरह समर्थन मिलने जैसा चीफ जस्टिस पर हमला करने वाले को मिला जैसे मुद्दों पर होगा? बिहार चुनाव बहुत ही इन्टरेस्टिंग होगा! रियल मुद्दे बनाम काल्पनिक मुद्दे!(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सू- दोकू क्र.031

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.30 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

घर पर आसानी से की जा सकती है हाथ और पैरों की वैक्स, अपनाएं ये तरीका

हाथ और पैरों के अनचाहे बालों को हटाने के लिए वैक्सिंग एक अच्छा तरीका है। इससे त्वचा चिकनी और साफ रहती है। अगर आप पहली बार वैक्सिंग करने जा रहे हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। सबसे पहले अपने शरीर को अच्छी तरह साफ करें, फिर वैक्सिंग के लिए जरूरी सामान का इस्तेमाल करें। इसके बाद त्वचा की देखभाल करें। इस लेख में हम आपको हाथ-पैरों की वैक्सिंग करने का तरीका बताएंगे।

वैक्सिंग के सामान का चयन करें

हाथ-पैरों की वैक्सिंग के लिए सही सामान का चयन करना बहुत जरूरी है। बाजार में कई प्रकार की वैक्सिंग सामग्री मिलती हैं, जिनमें गर्म और ठंडी वैक्स होती हैं। गर्म वैक्स अधिक प्रभावी होती है क्योंकि यह बालों को जड़ से निकालती है, जबकि ठंडी वैक्स कम असरदार होती है। अगर आप पहली बार वैक्सिंग कर रहे हैं तो ठंडी वैक्स का इस्तेमाल करें क्योंकि यह कम दर्द देती है।

त्वचा को तैयार करें

वैक्सिंग से पहले त्वचा को अच्छी तरह साफ करना चाहिए ताकि किसी भी प्रकार की धूल-मिट्टी नहीं रह जाएं। इसके लिए आप हल्के साबुन और पानी का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके बाद त्वचा को सुखाने के लिए तौलिए का उपयोग करें। इससे वैक्सिंग प्रक्रिया के दौरान चिपचिपाहट नहीं होगी और वैक्सिंग उत्पाद अच्छी तरह से त्वचा पर लग सकेंगे। साफ-सफाई से त्वचा की तैयारी अच्छे से हो जाएगी।

वैक्सिंग प्रक्रिया शुरू करें

वैक्सिंग प्रक्रिया शुरू करने से पहले वैक्सिंग उत्पाद को हल्का गर्म करें ताकि वह आसानी से फैल सके। इसके लिए आप माइक्रोवेव या गैस स्टोव का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके बाद वैक्सिंग उत्पाद को धीरे-धीरे हाथों या स्पैटुला की मदद से उन हिस्सों पर लगाएं, जहां से बाल हटाने हैं। ध्यान रखें कि वैक्सिंग उत्पाद को बालों की दिशा के विपरीत लगाना चाहिए ताकि बाल अच्छे से निकल सकें और प्रक्रिया कम दर्दनाक हो।

वैक्स हटाने का तरीका

वैक्सिंग उत्पाद लगाने के बाद उसे ठंडे पानी से ठंडा करें ताकि वैक्स सेट हो जाए। इसके बाद स्पैटुला या हाथों की मदद से वैक्स को धीरे-धीरे हटाएं। ध्यान रखें कि वैक्स हटाने के दौरान त्वचा को खींचें नहीं बल्कि धीरे-धीरे ऊपर की ओर खींचें। इससे दर्द कम होगा और बाल जड़ से निकलेंगे। अगर कुछ बाल रह जाएं तो उन्हें चिमटी की मदद से निकाल सकते हैं।

बाद में माइस्चराइजर लगाएं

वैक्सिंग प्रक्रिया पूरी होने के बाद त्वचा को ठंडा रखने के लिए बर्फ रगड़ सकते हैं या ठंडे पानी से स्नान कर सकते हैं। इसके बाद माइस्चराइजर या एलोवेरा जेल लगाएं ताकि त्वचा मुलायम बने रहे। इससे आपकी त्वचा न केवल साफ-सुथरी रहेगी बल्कि मुलायम भी महसूस होगी। इस प्रकार इन सरल तरीकों को अपनाकर आप आसानी से घर पर ही हाथ-पैर की वैक्सिंग कर सकते हैं। (आरएनएस)

संघ शताब्दी वर्ष के सुअवसर पर जिला पुरोला, डामटा के मंडल लाखामंडल (शिव नगरी) द्वारा आयोजित पथ संचलन में मुख्य वक्ता विभाग कार्यवाह रविन्द्र ने संघ परिचय एवं पंच परिवर्तन पर सभी स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन कर शताब्दी वर्ष संघ कार्यक्रम की भी चर्चा की। रमेश भाटिया की अध्यक्षता में कार्यक्रम संपन्न हुआ एवं दिनेश पंवार, खण्ड कार्यवाह डामटा संजय रावत,यशवीर, गीता राम गौड,अरविन्द, विकास, कृपाल आदि स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

मोटरसाईकिल की चपेट में आकर एक व्यक्ति की मौत

संवाददाता

देहरादून। सडक पार कर रहे व्यक्ति की मोटरसाईकिल की चपेट में आने से मृत्यु होने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अजबपुर निवासी सुरेन्द्र पाल सिंह की माता मंदिर रोड पर दुकान है। आज जब वह अपनी दुकान से बाहर सडक पार कर रहे थे तभी तेज गति से आ रही मोटरसाईकिल ने उनको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गये जिनको परिजनों ने अस्पताल में भर्ती कराया जहां पर उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गयी। पुलिस ने मृतक के बेटे की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

तीन दुपहिया वाहन चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने तीन स्थानों से तीन दुपहिया वाहन चोरी कर लिये हैं। पुलिस ने मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार श्यामपुर निवासी संगीता देवी ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी एक्टिवा घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आयी तो उसकी एक्टिवा अपने स्थान से गायब थी।

वहीं पित्थुंवाला निवासी गिरधर गोपाल ने अपनी एक्टिवा घर के बाहर से चोरी होने का मुकदमा पटेलनगर कोतवाली में दर्ज कराया है। इसके साथ ही डिवाईन रेजीडेंसी निवासी अक्षत आनन्द ने रेजीडेंसी की पार्किग से अपनी बुलेट मोटरसाईकिल चोरी होने का मुकदमा डालनवाला कोतवाली में दर्ज कराया। पुलिस ने तीनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

दिव्यांगजनों के प्रमाण पत्रों के लिए 28 से... पृष्ठ 2 का शेष

दिव्यांगजन को पूर्व से ही शिविर मे समस्त प्रपत्र जैसे आधार कार्ड की छायाप्रति, 04 फोटो, परिवार रजिस्ट्रर की नकल आदि साथ लाने हेतु अवगत करायेगें, ताकि आसानी से दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाये जा सकें। खण्ड विकास अधिकारी चकराता सर्वे मे प्राप्त दिव्यांगजनों की सही पहचान हेतु ऑगनबाडी कार्यकर्ती/सहायका तथा स्वास्थ्य विभाग की आशा कार्यकर्ती से भी पूर्ण सहयोग प्राप्त करेगे। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी निर्देशित किया है कि शिविर मे उपस्थित समस्त दिव्यांगजनों के परीक्षण कराते हुये शतप्रतिशत दिव्यांग प्रमाण पत्र शिविर मे ही निर्गत किये जाये तथा शिविर के अन्त मे प्रतिदिन निर्गत हुये दिव्यांग प्रमाण पत्रों की सूची सॉय 5 बजे तक उपलब्ध करायेगें तथा प्रत्येक शिविर हेतु चिकित्सा विशेषज्ञ को नोडल नामित करेगें।

प्रधानमंत्री दिव्यांशा केन्द्र देहरादून के द्वारा भारत सरकार की एडिप योजनान्तर्गत सहायक उपकरण हेतु चिन्हिकरण कर मौके पर वितरण कराना सुनिश्चित करेगें। खण्ड विकास अधिकारी को शिविर एवं वाहन की व्यवस्था हेतु जिला समाज कल्याण अधिकारी शिविर मद से अग्रिम धनराशि उपलब्ध करायेगे तथा शिविर मे टेन्ट, बैठने की उचित व्यवस्था, नि:शुल्क फोटोस्टेट मशीन, पात्रता के आधार पर दिव्यांग पेंशन, अन्य योजनाओं के आवेदन पत्र एवं दिव्यांगजनों व उनके परिजनों को भोजन, जल-पान आदि की व्यवस्था भी सुनिश्चित करेगें। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया है कि उक्त शिविरों का सफल संचालन कर समस्त दिव्यांगजनों के दिव्यांग प्रमाण पत्र निर्गत किये जाने हेतु आवश्यक व्यवस्थायें पूर्ण करें तथा कृत कार्यवाही से अवगत करायें।

12 लाख की चरस सहित तस्कर दबोचा

❑पहाड़ो से चरस लाकर करता था मैदानी क्षेत्रों में सप्लाई

हमारे संवाददाता

देहरादून। कुमाऊ मडंल के पहाड़ी क्षेत्रों से चरस लाकर उसे मैदानी क्षेत्रों मे सप्लाई करने वाले एक नशा तस्कर को एसटीएफ की एंटी नार्कोटिक्स टास्क फोर्स व कोतवाली हल्द्वानी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से लगभग 12 लाख की चरस बरामद हुई है। आरोपी शातिर किस्म का नशा तस्कर है जो पूर्व में भी जेल की हवा खा चुका है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ नवनीत भुल्लर ने जानकारी देते हुए बताया कि बीते रोज एसटीएफ की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (कुमाऊं यूनिट) को सूचना मिली कि कोतवाली हल्द्वानी क्षेत्र में कोई बड़ा नशा तस्कर भारी मात्रा में नशीले सामान की डिलीवरी हेतू आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए एंटी नार्कोटिक्स टास्क फोर्स ने कोतवाली हल्द्वानी पुलिस के साथ मिलकर क्षेत्र में संयुक्त चैकिंग अभियान चला दिया गया। इस दौरान संयुक्त टीम को हल्द्वानी डिग्री कॉलेज के समीप एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। टीम ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया।

तलाशी के दौरान उसके पास से 2 किलो 20 ग्राम चरस बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम नारायण सिंह परगई पुत्र हरकिशन परगई निवासी ग्राम कुकना तहसील ओखेलकांडा थाना मुक्तेश्वर जनपद नैनीताल हाल निवासी जय दुर्गा कालोनी, दुर्गा सिटी सेंटर, हल्द्वानी बताया। बताया कि उसने यह चरस चम्पावत के नौलिया गांव से खरीदी थी, जिसको वह मैदानी क्षेत्रों मे ऊंचे दामों मे बेचने के लिए लाया था इससे पहले भी वह कई बार पहाड़ी क्षेत्र से चरस ला चुका है। आरोपी द्वारा बताया गया कि इससे पहले भी वो एक बार चरस तस्करी में जेल जा चुका है। जमानत से छूटने के बाद कम समय मे ज्यादा पैसा कमाने के लालच मे उसने दुबारा से चरस तस्करी का काम शुरु कर दिया था। बहरहाल पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

27 अक्टूबर को निकाली जायेगी बागवान न्याय यात्रा:रावत

संवाददाता

देहरादून। पर्वतीय कृषक, बागवान उद्यमी संगठन के अध्यक्ष वीरबान सिंह रावत ने बताया कि संगठन के द्वारा एक शान्तिपूर्ण पहल बागवान न्याय यात्रा 27 अक्टूबर को निकाली जायेगी।

आज यहां परेड ग्राउंड स्थित एक क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए संगठन के अध्यक्ष वीरबान सिंह रावत ने बताया कि उत्तराखण्ड जैसे पहाडी राज्य में लगभग 80 प्रतिशत आबादी की आजीविका कृषि आधारित उद्यमों पर निर्भर है। इसके बावजूद किसानों को लगातार अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड रहा है। जिनमें कृषि एवं बागवानी योजनाओं का समय पर अनुदान न मिलना तथा योजनाओं के प्रतिपादन, क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण में पारदर्शिता का अभाव प्रमुख है। उन्होंने कहा कि इन्ही मुद्दों पर किसानों के सम्मान, अस्तित्व और अधिकार की रक्षा हेतु पर्वतीय कृषक बागवान उद्यमी संगठन द्वारा एक शान्तिपूर्ण पहल बागवान न्याय यात्रा के रूप में की जा रही है। जिसका उद्देश्य वित्तीय वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक के मिशन एप्पल एवं मिशन कीवी के रूके हुए अनुदान एवं अंशदान का शीघ्र समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करना है। योजनाओं के प्रतिपादन, निर्माण, क्रियान्वयन एवं अनुरक्षण में किसानों की वास्तविक भागीदारी सुनिश्चित करने के साथ ही उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्रों में युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर सृजित करना, बागवानी, कृषि एवं उद्यमिता के माध्यम से आत्मनिर्भर हिमालयी अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है। यहज यात्रा किसानों के हक, न्याय और सम्मान के लिए एक शान्तिपूर्ण संघर्ष है। यह यात्रा 27 अक्टूबर को प्रात: दस बजे गांधी पार्क से शुरू होगी। प्रेसवार्ता में दीपक ढौढियाल, मुकेश केन्तुरा, शुभम गौड व राजेन्द्र प्रसाद कुकरेती भी उपस्थित रहे।

बिजनौर का फरार हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार, साथी फरार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। बिजनौर से फरार चल रहे एक हिस्ट्रीशीटर बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से चोरी का माल बरामद हुआ है। उसका एक साथी फरार है जिसकी तलाश जारी है। आरोपी हिस्ट्रीशीटर फर्जी आधार कार्ड के दम पर उत्तराखण्ड में पहचान छुपाकर रह रहा था।

वरिष्ठ पुलिस मणिकांत मिश्रा ने बताया कि कोतवाली कुंडा क्षेत्र से उत्तर प्रदेश बिजनौर के अफजलगढ़ का हिस्ट्रीशीटर अपराधी सुहैल उर्फ सोनू पुत्र शमीम अहमद को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अभियुक्त अपनी पहचान छिपाकर फर्जी आधार कार्ड पर "मोहम्मद जैद" नाम से जसपुर, कुंडा और काशीपुर क्षेत्र में किराए पर रह रहा था। बताया कि मामले का खुलासा तब हुआ जब फईम अहमद पुत्र मोहम्मद हनीफ निवासी महुआखेड़ा गंज, थाना आईटीआई ने 9 अक्टूबर की रात अपनी मोबाइल शॉप बैलजुड़ी, कुंडा क्षेत्र से 12 मोबाइल फोन, 1 लैपटॉप, 1 एलसीडी और 1 साउंड बॉक्स चोरी होने की तहरीर पुलिस का दी। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज

❑फर्जी आधार कार्ड बनाकर छिपकर रह रहा था आरोपी
❑आरोपी से कई मोबाइल व अन्य सामान बरामद

कर जांच शुरू कर दी गयी। जाच के दौरान एक सूचना के आधार पर पुलिस ने बीती शाम एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। जिसके पास से 8 स्मार्टफोन, 1 सैमसंग एलसीडी, 1 साउंड बॉक्स व अन्य सामान बरामद किया गया। जांच के दौरान यह भी खुलासा हुआ कि चोरी किए गए शेष 4 मोबाइल फोन व 1 लैपटॉप को नौशाद आलम पुत्र मोहम्मद अकरम निवासी मोहल्ला गुजरातियान, जसपुर को बेचा गया था, जो वर्तमान में फरार है। उसकी गिरफ्तारी हेतु टीम सक्रिय प्रयास कर रही है। जांच के दौरान सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी सुहैल उर्फ सोनू थाना अफजलगढ़, जिला बिजनौर का लापता हिस्ट्रीशीटर संख्या-84ए है। उसके विरुद्ध विभिन्न गम्भीर धाराओं में 6 आपराधिक मुकदमे दर्ज है।

जेल से जमानत पर आये पति ने की पत्नी की हत्या

हमारे संवाददाता

नैनीताल। दुष्कर्म मामले में जमानत पर छूट कर आये एक पति ने अवैध संबंधों के शक के चलते अपनी ही पत्नी की ईंट मार मार कर हत्या कर दी। सूचना मिलने पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

❑अवैध संबंधों के शक में की थी अपनी पत्नी की हत्या
❑आरोपी पति खुद दुष्कर्म मामले में था जमानत पर

जानकारी के अनुसार बनभूलपुरा थाना क्षेत्र के 13 बीघा इलाके में एक पति ने अपनी ही पत्नी की ईंट से कुचलकर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि आरोपी पति इंतजार को अपनी पत्नी शाहीन पर चरित्र को लेकर शक था। इसी शक ने घर की खुशियों को खून में बदल दिया। गुरुवार दोपहर पति-पत्नी के बीच कहासुनी इतनी बढ़ गई कि गुस्से में इंतजार ने घर के बाहर रखी एक भारी ईंट उठाई और पत्नी के सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। शाहीन लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ी और चीखें सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। स्थानीय लोगों ने आरोपी को वहीं पकड़ लिया और तुरंत पुलिस को सूचना दी। बनभूलपुरा थाना पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घायल शाहीन को पहले सुशीला तिवारी अस्पताल ले जाया गया, जहां हालत गंभीर होने पर उसे निजी अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी इंतजार पहले भी बलात्कार के एक मामले में जेल जा चुका था और हाल ही में जमानत पर बाहर आया था। बाहर आने के बाद से वह पत्नी पर लगातार शक करता था और इसी तनाव के चलते उसने हत्या जैसी वारदात को अंजाम दे दिया है।

उत्तरांचल ग्रामीण बैंक ने मुख्यमंत्री राहत कोष में दिये 35.5 लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। उत्तरांचल ग्रामीण बैंक के प्रतिनिधि मंडल ने आपदा प्रभावितों की सहायता के लिए साढे 35 लाख रूपये मुख्यमंत्री राहत कोष में प्रदान किये।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में उत्तरांचल ग्रामीण बैंक के प्रतिनिधियों ने भेंट की। इस दौरान बैंक प्रतिनिधियों ने उत्तराखंड में आपदा प्रभावितों की सहायता एवं पुनर्निर्माण कार्यों के लिए 35,49,371 की धनराशि मुख्यमंत्री राहत कोष में प्रदान की। मुख्यमंत्री ने इस सहयोग के लिए बैंक प्रबंधन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योगदान आपदा प्रभावितों की सहायता एवं पुनर्निर्माण कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा समाज के सभी वर्गों द्वारा किया गया सहयोग अत्यंत सराहनीय है और इससे पीड़ितों को राहत प्रदान करने में भी सहायता मिलेगी। इस अवसर पर बैंक के चेयरमैन हरिहर पटनायक, राजीव प्रकाश, सुश्री भारती नौडियाल, हरीश कण्डारी, महिपाल डसीला मौजूद रहे।

फरार हत्यारोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। हत्या के आरोप में लम्बे समय से फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते 4 मार्च को महेन्द्र निवासी शिवगढ द्वारा थाना पथरी में तहरीर देकर बताया गया था कि 3 मार्च को उनके बेटे प्रमोद की गांव शिवगढ के ही कुछ लड़कों द्वारा लाठी डंडो से पीट-पीट कर हत्या कर दी गयी है। मामले में पुलिस ने सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। मुकदमें में नामित रवि पुत्र सूरजमल घटना के दिन से ही लगातार फरार चल रहा था एवं जांच के दौरान उसकी घटना के संलिप्तता पायी गई। फरार आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु पुलिस ने लगातार कई स्थानों पर दबिश दी लेकिन आरोपी लगातार ठिकाने बदलता रहा। आखिरकार पुलिस की मेहनत रंग लायी और बीती शाम एक सूचना के बाद पुलिस ने सिडकुल क्षेत्र से हत्यारोपी रवि पुत्र सूरजमल को गिरफ्तार कर लिया गया। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

तमंचा व कारतूस के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। रंजिश के चलते बड़ी घटना को अंजाम देने जा रहे एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से एक तमंचा व कारतूस भी बरामद हुआ है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज कोतवाली नगर पुलिस नहर पटरी पर श्रीराम घाट के पास चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान ऋषिकुल पुल की तरफ से नहर पटरी में एक संदिग्ध व्यक्ति स्कूटी से आता हुआ दिखायी दिया जो पुलिस को अचानक सामने देखकर अपनी स्कूटी मोड़कर भागने का प्रयास करने लगा। परन्तु वह स्कूटी से अनियंत्रित होकर नहर पटरी में श्रीराम घाट के सामने पार्क के पास पड़ी बजरी में फिसल गया। जिस पर शक होने पर पुलिस द्वारा उक्त व्यक्ति को घेर कर पकड़ लिया। पकडे गये व्यक्ति से नाम पता पूछते हुये तलाशी ली गयी तो उसने अपना नाम संयम असवाल पुत्र हरि सिंह असवाल निवासी नियर टाटा मोटर्स लोधा मण्डी कोतवाली नगर जनपद हरिद्वार बताया।

तलाशी में उसके पास से एक तमंचा बरामद हुआ जिसमे बैरल मे एक जिंदा कारतूस 315 बोर बरामद हुआ। तमंचे के सम्बन्ध मे जानकारी करने पर आरोपी ने बताया कि राहुल थापा नाम का आदमी जो कि मेरे से रंजिश रखता है मैं उसको आज इसी तमंचे से डराने जा रहा था। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय मे पेश कर जेल भेज दिया गया है।

चोरी का खुलासा, एक गिरफ्तार: लाखों के जेवरात व नगदी बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। दीवाली की रात बंद घर को निशाना बनाते हुए चोरो ने लाखों की जेवरात व नगदी पर हाथ साफ कर लिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने कार्यवाही करते हुए चोर को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से चुराये गये जेवरात व नगदी बरामद की गयी है। गिरफ्तार हुआ चोर पीड़ित का जानकार है जिसने पहले की घर की चाबियों पर हाथ साफ कर लिया था।

जानकार ही निकला चोर, पहले ही उड़ा ली थी चाबियां

जानकारी के अनुसार दीपावली के अगले दिन यानि 21 अक्टूबर को सेक्टर-2 बी.एच.ई.एल. निवासी व्यक्ति द्वारा कोतवाली रानीपुर पर तहरीर देकर बताया गया था कि दीपावली की रात को उनके घर से अज्ञात चोर द्वारा करीब 6 तोला सोना, 500 ग्राम चाँदी, 5000 रूपये की नगदी व अन्य दस्तावेज चोरी कर लिए गये है।

पुलिस ने तहरीर के आधार पर कोतवाली रानीपुर में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी।

जांच के दौरान बीती शाम पुलिस ने एक सूचना के आधार पर एस.बी.आई. चौक सेक्टर-2 बी.एच.ई.एल. से एक संदिग्ध को दबोच लिया गया। जिसके पास से बैग में रखे चोरी का सामान सोने, चाँदी की ज्वैलरी, 2000 रूपये की नगदी व अन्य सामान की बरामद किया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम सत्यवीर पुत्र रामअवतार निवासी स्वाले नगर बरेली थाना किला जिला बरेली उ. प्र. बताया।

बताया कि वह पहले पीड़ित के क्वार्टर में ही उसके परिवार के साथ रहता था। करीब एक साल पहले वह अपने गाँव चला गया था लेकिन बीच बीच में यहां आता जाता रहता था। इस बीच आरोपी ने घर के बाहर के दरवाजों की एक-एक चाबी चोरी कर ली। पीड़ित के दीपावली पर हर साल अपने जानने वालों के यहां जाने की पहले से जानकारी होने के चलते आरोपी ने दीवाली की रात उक्त मकान का ताला खोलकर घर से चोरी कर ली व चाबी रास्ते में फेंक दी। चोरी किये गये जेवरातों का बैग उसने बी.एच.ई.एल. सैक्टर 2 के पास झाडियों में छुपा दिया था। आज वह बैग लेने हरिद्वार आया था। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय मे पेश कर जेल भेज दिया है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।